SOH-IGNOU/P.O.5H/May,2008
Printed at: Berry Art Press

पी.जी.डी.आर.पी.

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रीय कार्य
2008-09

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.आर.पी.

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
पाठ्यक्रम 1 से 3 तक के सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि हमने 'कार्यक्रम दर्शिका' में बताया है कि रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के प्रत्येक पाठ्यक्रम (एम.आर.पी. 003 तक) में सत्रीय कार्य करने हैं। ये सभी सत्रीय कार्य 'शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य' हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित हैं।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह जाँचना है कि पाठ्य सामग्री को आपने कितना समझा है और उस पर आधारित अभ्यासों को करने में आप कितने सक्षम हुए हैं। इन सत्रीय कार्यों में आपसे दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं जिनके बारे में आपने अपने पाठ्यक्रमों में अध्ययन किया है और जिनके उत्तर आपको पाठ्यक्रम सामग्री के आधार पर अपने शब्दों में देने हैं। पहले प्रकार के प्रश्न सैद्धांतिक पक्ष से संबंधित होंगे तथा दूसरे प्रकार के प्रश्न व्यावहारिक पक्ष से संबंधित होंगे जो आपके लेखन कौशल को बढ़ाने में सहायक होंगे।

इस कार्यक्रम में 'परियोजना' के अतिरिक्त छह पाठ्यक्रम हैं जिनमें से आपके तीन पाठ्यक्रमों (एम आर पी - 001, 002 एवं 003) में ही सत्रीय कार्य करने हैं। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य आपके सैद्धांतिक ज्ञान, लेखन कौशल को समृद्ध करना और रेडियो प्रसारण की व्यावहारिक जानकारी देना है। पाठ्यक्रमों में जो प्रश्न दिए गए हैं, हमें उम्मीद है आपने उनका अभ्यास अवश्य किया होगा और अपने रचना-कौशल को बढ़ाया होगा। इन सत्रीय कार्यों के द्वारा हम आपके इसी कौशल का मूल्यांकन करेंगे।

सत्रीय कार्यों में दिए प्रश्नों को हल करने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन अवश्य करें :

सत्रीय कार्यों के लिए आवश्यक निर्देश

1. सैद्धांतिक प्रश्नों के उत्तर आप पढ़ी-हुई पाठ्य-सामग्री के आधार पर देंगे और व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर अपनी सूझ-बूझ और कल्पना के आधार पर।
2. प्रश्नों का उत्तर देते समय ध्यान रखिए कि जितने शब्दों में उत्तर लिखने के लिए संकेत किया गया है, लगभग शब्द उतने ही रहें।
3. प्रश्नों के सटीक उत्तर ही दें। अनावश्यक बातों से तथा दुहराव से बचें।
4. सैद्धांतिक प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। इकाइयों को पुनः प्रस्तुत न करें।
5. व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर अधिक रचनात्मक, रोचक एवं रेडियो प्रसारण के अनुरूप बनाने का प्रयास करें।

आशा है कि आपको सत्रीय कार्य में कठिनाई नहीं होगी। अगर आपने पाठ्य सामग्री का ठीक से अध्ययन किया है और इकाइयों में दिए गए प्रश्नों का अच्छी तरह से हल किया है तो आप सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर सफलतापूर्वक दे सकेंगे।

विशेषः जनवरी, 2008 में नामांकित विद्यार्थियों को 30 नवम्बर, 2008 तक और जुलाई, 2008 में नामांकित विद्यार्थियों को 31 मार्च, 2009 तक अपने सत्रीय कार्य पूरे करने होंगे।

शुभकामनाओं के साथ!

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
जनसंचार का सामान्य अध्ययन
(एम.आर.पी.-001)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : पी जी डी आर पी
सत्रीय कार्य कोड : एम आर पी-001/टी.एम.ए. /2008-09
कुल अंक : 100

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500-500 शब्दों में दीजिए

1. संचार के विभिन्न माध्यमों, खासतौर पर समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन की क्षमता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20
2. मनोरंजन के विभिन्न संदर्भों पर प्रकाश डालिए । 20
3. जनसंचार संबंधी नीतियों की चर्चा कीजिए। 20
4. रेडियों की भाषा पर प्रकाश डालिए। 20
5. टेलीविजन और रेडियो पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों की भाषागत विशेषताएँ बताइए। 20

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

जनसंचार का सामान्य अध्ययन

(एम.आर.पी.-002)

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : पी जी डी आर पी
सत्रीय कार्य कोड : एम आर पी-002/टी.एम.ए. /2008-09
कुल अंक : 100

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500-500 शब्दों में दीजिए :

1. रेडियो समाचार, रेडियो वार्ता और रेडियो नाटक की भाषा का अन्तर स्पष्ट कीजिए। 20
2. रेडियो लेखन के लिए की जाने वाली तैयारियों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 20
3. रंगमंचीय नाटक और रेडियो नाटक का अन्तर स्पष्ट करते हुए रेडियो नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20
4. जनसहभागिता कार्यक्रमों की आवश्यकता और उपयोगिता का विवेचन कीजिए। 20
5. किसी स्वपठित कहानी का रेडियो नाट्य रूपान्तरण कीजिए। 20

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
रेडियो लेखन
(एम.आर.पी.-003)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम : पी जी डी आर पी
सत्रीय कार्य कोड : एम आर पी-003/टी.एम.ए. /2008-09
कुल अंक : 100

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500-500 शब्दों में दीजिए :

1. बाल श्रोताओं के लिए वैज्ञानिक कथाओं पर आधारित एक नाटिका लिखिए जिस रेडियो पर प्रसारित किया जा सके। 20
2. ग्रामीण श्रोताओं के लिए पर्यावरण पर केन्द्रित एक कार्यक्रम तैयार कीजिए और इसकी कम्पेयरिंग भी लिखिए। 20
3. महिला श्रोताओं को ध्यान में रखकर "स्वास्थ्य के महत्व" पर एक रेडियो रूपक तैयार कीजिए। 20
4. युवा श्रोताओं को ध्यान में रखकर "रोजगार के अवसर" विषय पर एक वार्ता तैयार कीजिए। 20
5. प्रेमचंद या जयशंकर प्रसाद की किसी एक कहानी को आधार बनाकर रेडियो नाटक तैयार कीजिए। 20